www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 धर्म का एक दशक : मोदी युग में सांस्कृतिक...
3 जल और पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी, अभियान...
4 ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने सुनीं जन समस्याएं

वर्ष: 9 | अंक: 236 | दिल्ली, शुक्रवार, 20 जून 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

■ संक्षिप्त समाचार

सोनिया गांधी को मिली अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पेट से जुड़ी

समस्या के उपचार के बाद बृहस्पतिवार को सर गंगाराम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल ने यह जानकारी दी। बीते 15 जून को 78 वर्षीय सोनिया गांधी को इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार, सोनिया गांधी की हालत अब स्थिर है। उन्होंने कहा, उन्हें छुट्टी दे दी गई है और अस्पताल से बाहर रहते हुए उनका उपचार जारी रहेगा। डॉ. एस नंदी और डॉ. अमिताभ यादव सहित सोनिया का उपचार करने वाले वरिष्ठ चिकित्सकों ने कहा कि उन पर इलाज का अच्छा असर हुआ है। चिकित्सकों ने एक विज्ञप्ति में कहा, उन्हें पेट में संक्रमण के कारण भर्ती कराया गया था, जिसे दवाओं से नियंत्रित कर लिया गया है। उनकी हालत में सुधार हुआ है और अस्पताल बाहर रहते हुए उनकी सेहत पर निगरानी रखी जाएगी। उन्हें पिछले रविवार को अस्पताल के उदर एवं आंत्रशोध विभाग विभाग में भर्ती कराया गया था।

गाजियाबाद में इमारत का छज्जा गिरने से सब्जी विक्रेता की मौत

गाजियाबाद (एजेन्सी)। गाजियाबाद जिले की शालीमार गार्डन कॉलोनी में स्थित एक इमारत की तीसरी मंजिल का छज्जा लोहे की रेलिंग के साथ बृहस्पतिवार सुबह गिर जाने से एक सब्जी विक्रेता की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। शालीमार गार्डन के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अतुल कुमार सिंह ने बताया कि तीसरी मंजिल का छज्जा गिरने से एक सब्जी विक्रेता और उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गए,जिनको इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उनकी पहचान सलीम (60) और अय्यूब (60) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सलीम को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं अय्यूब को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। सिंह ने बताया कि शालीमार गार्डन पुलिस और अग्निशमन दल ने मलबा हटा दिया है। एसीपी ने बताया कि मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

कश्मीर के डोडा जिले में ऊंचाई वाले इलाकों पर सेना ने गश्त की

जम्मू कश्मीर (एजेन्सी)। जम्मू कश्मीर में पर्यटन स्थलों को सरकार द्वारा फिर से खोले जाने के बाद सेना के जवानों ने बृहस्पतिवार को डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में जंगलों और पर्वतीय इलाकों में गश्त सहित विभिन्न सुरक्षा उपाय लागू किए। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सेना द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों में शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के लिए ये कदम उठाए गए और खासकर तीन जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा की ओर ध्यान केंद्रित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि भद्रवाह के विभिन्न ऊपरी इलाकों में हवाई निगरानी के लिए ड्रोन और रॉकेट लॉन्चर के साथ राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने सुरक्षा अभियान चलाते हुए गश्त की। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों और पर्यटकों के बीच सुरक्षा के तहत विश्वास बहाली के अलावा आतंकवादियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के मकसद से यह अभियान चलाया गया। मिनी कश्मीर के नाम से अपनी पहचान बनाने वाले भद्रवाह में कई पर्यटन स्थल हैं जो साल भर सैकड़ों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। उन्होंने बताया कि शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हिमालयी क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है।

इंडोनेशिया के बाली में स्थित प्रसिद्ध उलुन दानु बेरातन मंदिर, तबानन जो सुंदरता और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है, की शांत पृष्ठभूमि में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 का 44वां पूर्व-सत्र आयोजित किया गया। इस आयोजन का संयोजन भारतीय महावाणिज्य दूतावास (सीजीआई) और स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), बाली द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से योग के जरिए मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य को प्रदर्शित किया गया। संजना भारती/पीआईबी

हमारे देश की भाषाएं हमारी संस्कृति के रत्न हैं: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

■ **देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी-शाह**

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। भाषा विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक और मोर्चा खोलते हुए कहा कि देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोलते हुए गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि देशी भाषाएं भारत की पहचान के लिए केंद्रीय हैं और उन्हें विदेशी भाषाओं पर वरीयता मिलनी चाहिए।

शाह ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आने लगेगी-ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। मेरा मानना है कि हमारे देश की भाषाएं हमारी संस्कृति के रत्न हैं।

अपनी भाषाओं के बिना हम सच्चे भारतीय नहीं रह सकते। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं' पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब देश का कालखंड घनघोर अंधेरी रात्रि जैसा था, तब भी भक्ति साहित्य ने हमारे धर्म, स्वतंत्रता और संस्कृति के दीयों को जलाकर रखा था... साहित्य एक प्रकार से हमारे समाज की आत्मा है... आज हम सभी को देश में परिवर्तन दिख रहा है... मुझे विश्वास है कि 2047 तक यह यात्रा निश्चित रूप से हमारे सभी प्रकार के खोए हुए गौरव और समाज को वापस दिलाने का काम करेगी। उन्होंने भारत की भाषाई विरासत को पुनः प्राप्त करने के लिए पूरे देश में नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया।

शाह ने यह भी भविष्यवाणी की कि दुनिया भर में अंग्रेजी को औपनिवेशिक गुलामी के प्रतीक के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे देश, हमारी संस्कृति, हमारे इतिहास और हमारे धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती। अधूरी विदेशी भाषाओं के माध्यम से संपूर्ण भारत की कल्पना नहीं की जा सकती।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के उत्तराखण्ड आगमन पर राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री धामी ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया

एसबी संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के उत्तराखण्ड आगमन पर गुरुवार को जौलीग्रांट एयरपोर्ट में राज्यपाल लेफ़्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) तथा मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक, राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, डॉ धन सिंह रावत, मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन, पुलिस महानिदेशक श्री दीपम सेठ, जिलाधिकारी देहरादून श्री सविन बंसल तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने भी राष्ट्रपति का स्वागत किया।

सीएम आवास परिसर में किया गया योगाभ्यास

एसबी संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी योग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को योग को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और आत्मबोध की एक प्रक्रिया है। यह हमारे मन को स्थिर कर चेतना की गहराइयों तक पहुँचाने का माध्यम है।

उन्होंने भारतीय संस्कृति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत ने सदैव मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखा है और हमारी सनातन संस्कृति का मूल स्तंभ योग है। यही कारण है कि आज योग दुनिया के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गया है और भारतीय जीवन शैली को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मान्यता देने के लिए प्रस्ताव रखा था, जिसे 177 देशों ने समर्थन दिया और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड योग और ऋषि मुनियों की भूमि है। ग्राम स्तर तक सभी लोग योग से जुड़े, सरकार द्वारा इस दिशा में प्रयास किए गए हैं। योग से रोजगार के अवसर बढ़ाये जा रहे हैं। उत्तराखंड को योग और वेलनेस की वैश्विक राजधानी बनाने के लिए नई योग नीति लाई गई है।

रोजगार उत्सव से सरकारी नौकरी का सपना हो रहा पूरा: भजनलाल

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार के समुचित अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना के तहत भर्तियां आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षा कैलेण्डर के अनुसार आयोजित कर युवाओं को समयबद्ध रूप से रोजगार उत्सव के तहत नियुक्तियां दी जा रही हैं।

श्री शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव (जुलाई-2025) की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को आगामी जुलाई माह में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के आयोजन की सुनियोजित तैयारियां करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने विभागवार लंबित भर्ती प्रक्रियाओं की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को नियुक्ति प्रदान करने से पूर्व शेष प्रक्रिया को त्वरित गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को न्यायालय में विभिन्न कारणों से लंबित भर्ती प्रकरणों की मजबूती से पैरवी करवाने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने प्रदेश में युवाओं के लिए संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं को मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव से जोड़ने के भी निर्देश दिए जिससे पात्र युवाओं को इन योजनाओं का लाभ मिल सके।

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अब तक आयोजित किए गए मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के तहत प्रदेश के 67 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान कर उनका सरकारी नौकरी का सपना पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को पूर्ण पारदर्शिता एवं त्वरित गति से विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सिरसा ने दिल्ली के एक्यूआई में ऐतिहासिक सुधार का श्रेय 100 दिन के एनवायरनमेंट एक्शन प्लान को दिया

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली ने पहली बार लगातार कई दिनों तक सटिस्फैक्टरी वायु गुणवत्ता दर्ज की है। 19 जून को जारी दिल्ली राज्य पर्यावरण स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, राजधानी का अदक 89 रहा। यह सुधार शहर के कई प्रदूषण हॉटस्पॉट्स में लगातार की गई कार्रवाइयों का नतीजा है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस बदलाव का श्रेय 100 दिनों के विशेष एक्शन प्लान को दिया, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में शुरू किया गया था।

यह सुधार संयोग नहीं है। यह 100 दिनों की लगातार मेहनत, नीति आधारित काम और जमीन पर की गई सख़्त कार्रवाई का नतीजा है। दिल्ली ने साबित कर दिया है कि अगर इच्छाशक्ति हो तो

स्वच्छ हवा संभव है, मंत्री सिरसा ने कहा। **दिल्ली सरकार की वायु प्रदूषण नियंत्रण रणनीति में ये मुख्य कदम शामिल रहे:** रोजाना सड़कों की सफाई और पानी का छिड़काव, निर्माण और ध्वस्तीकरण के मलबे की बड़े पैमाने पर सफाई, गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण पर सख़्त कार्रवाई, प्रदूषण हॉटस्पॉट्स की लगातार निगरानी, बायो-डीकंपोजर और धूल रोकने की तकनीक का इस्तेमाल

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सक्रिय मार्गदर्शन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन से दिल्ली एक नई पर्यावरणीय कहानी लिख रही है। ये आँकड़े हमारी नीयत और नतीजों को साफ दिखाते हैं, सिरसा ने आगे कहा।

मंत्री ने दिल्लीवासियों से अपील की कि इस सुधार को स्थायी बनाने में सभी साथ आएं। साफ हवा सिर्फ एक लक्ष्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ज़िम्मेदारी है।

मानसून से पहले जल जमाव की समस्या खत्म करने एवं मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक की

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों, इंजीनियरों साथ सचिवालय में एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस अहम बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने मानसून आने से पहले सीवर और सभी छोटे-बड़े नालों की साफ-सफाई प्रभावी ढंग से कराने के साथ ही जल जमाव से होने वाली जल जनित बीमारियों की प्रभावी रोकथाम को लेकर विस्तार से चर्चा की।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने विधानसभा क्षेत्र विकासपुरी के पूरे इलाके में मानसून के आने से पहले जलभराव की समस्या को देखते हुए आधुनिक हाइड्रो जेटिंग मशीनों के साथ ऑटोमेटिक डिसिंटर मशीनों और सुपर सकर मशीनों से ड्रेनेज सिस्टम और इलाके के सभी छोटे-बड़े नालों की ठीक तरह से सफाई करवाने के सख्त निर्देश दिए। ताकि बरसात होने पर किसी भी इलाके में जल भराव जैसी समस्या का दिल्लीवासियों को सामना नहीं करना पड़े। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को विकासपुरी इलाके में

दिल्ली जल बोर्ड की सभी क्षतिग्रसत पाइप लाइन को तुरंत ठीक करने, सीवर लाइन को दुरुस्त करने के साथ बारिश के मौसम से पहले सभी खुले मेनहोल को ढक्कन लगाकर तुरंत बंद करने के निर्देश भी दिए हैं। मंत्री महोदय ने कहा कि ओम विहार, विद्या विहार समेत विकासपुरी के जिस भी वार्ड में सीवर पाइप लाइन बिछाने काम चल रहा है। उसे जल्द से जल्द पूरा करें। ताकि बारिश होने पर इलाके के लोगों को जल जमाव की समस्या का सामना नहीं करने पड़े। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के संग समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने इंजीनियर्स को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जल जमाव होने और जल निकासी की व्यवस्था में लापरवाही बरतना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल बोर्ड से संबंधित अधिकारी मानसून आने से पहले खुद मौके पर जाकर जल जमाव वाले संवेदनशील इलाके की पहचान करें और सीवर की सफाई सुनिश्चित करें। उन्होंने जल बोर्ड के अधिकारियों को ड्रेनेज सिस्टम और नालों की प्रभावी ढंग से साफ-सफाई काराने के साथ मौके पर जाकर मुआयना करने के भी निर्देश दिए।

मानसून के सीजन को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने यह भी निर्देश दिया है कि जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के साथ आपसी समन्वय बनाकर तेजी से काम करें और मानसून से पहले जलजमाव वाले संवेदनशील इलाकों की पहचान कर निगरानी के साथ स्वच्छता कायम रखने के ठोस उपाय करें।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मानसून आने पर लोगों को जलजमाव की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। इसलिए हमारी सरकार अभी से ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त करने के साथ कई तरह की तैयारियों में जुटी हैं। हमारी प्राथमिकता यह है कि दिल्ली के नागरिकों को जलभराव की समस्या से निजात के साथ ही जल जनित बीमारियों से बचाया जा सके।

शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर एससी/एसटी/ओबीसी छात्रों से जुड़ी स्कॉलरशिप का करें प्रचार-प्रसार: रविन्द्र इंद्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी/ओबीसी कल्याण, चुनाव एवं सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने गुरुवार को सचिवालय में एससी/एसटी/ओबीसी छात्रों से जुड़ी स्कॉलरशिप योजनाओं और अन्य सुविधाओं को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। श्री इन्द्राज ने एससी/एसटी/ओबीसी कल्याण अधिकारियों को शिक्षा विभाग और दिल्ली के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर स्कॉलरशिप योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के आदेश दिए। उन्होंने बैठक में मिले सुझावों के अनुरूप स्कॉलरशिप के आवेदन के लिए ऑनलाइन पोर्टल तैयार करने के लिए भी कहा। बैठक में दिल्ली के प्रमुख विश्वविद्यालयों से आए कुलपति व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से एससी/एसटी/ओबीसी छात्रों को मिलने वाली आर्थिक मदद व अन्य सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि इन सुझावों को राज्य की योजनाओं को और बेहतर बनाने के लिए शामिल किया जाएगा।

श्री इंद्राज ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के गरीब और वंचित वर्ग को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प और भारत रत्न बाबा साहेब आंबेडकर जी के सपनों को पूरा करना दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है। पिछली सरकार की अनदेखी के कारण ज्यादातर स्कॉलरशिप योजनाओं के आवेदन पेंडिंग रहे और छात्रों को इसका लाभ नहीं मिल सका। हमारी सरकार में इन पेंडिंग आवेदनों का निस्तारण तेजी से हुआ है।

वर्ष 2023-24 से 2024-2025 तक के ट्यूशन फीस के पुनर्भुगतान, मुख्यमंत्री विद्यार्थी प्रतिभा योजना, बी आर आंबेडकर स्टेट टॉपर अवॉर्ड, प्री मैट्रिक/ पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम, मेरिट स्कॉलरशिप फॉर कॉलेज एण्ड यूनिवर्सिटीज स्टूडेंट्स, विदेश पढ़ने जाने वाले एससी छात्रों को आर्थिक सहायता जैसी योजनाओं के लंबित आवेदनों में 52 फीसदी आवेदनों को स्वीकृति पिछले तीन महीनों में मिली है। श्री इंद्राज ने कहा कि पूर्व सरकार में उपेक्षाओं के चलते एससी/ एसटी छात्र-छात्राओं के हॉस्टल बंद हो गए और उन्हें बेहद चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अब दिल्ली सरकार की हर जिले में एक हॉस्टल शुरू करने की योजना है।

बैठक के दौरान समाज कल्याण मंत्री ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस 26 जून को यमुना स्पोर्ट्स कॉलेज में भव्य आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों से अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस को लेकर होने वाले आयोजनों में भी छात्रों के बीच जागरूकता बढ़ाने को लेकर अधिक से अधिक योगदान देने का आग्रह किया।

सम्पादकीय

राहुल गांधी का बिहार दौरा

वर्ष 2025 में राहुल गांधी अब तक कुल मिलाकर पांच बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। अपने इन दौरे के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के दलित मतदाताओं, अन्य पिछड़ी जाति के लोगों और अत्यंत पिछड़ी जाति के लोगों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के साथ संवाद कर,उन्हें साधने की कोशिश की। पार्टी संगठन को धार और नई रफ्तार देने के लिए उन्होंने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्षों तक को बदल दिया। जाहिर तौर पर, राहुल गांधी अपनी इन तमाम कोशिशों के जरिए बिहार में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति पर ही काम कर रहे थे। इसका एक मकसद और भी था कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी विपक्षी इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) में ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल कर सकें। लेकिन राहुल गांधी के इस 'मिशन बिहार' को उनके अपने ही सहयोगी दल राष्ट्रीय जनता दल ने बड़ा झटका दे दिया है। लालू यादव के फॉर्मूले ने कांग्रेस पार्टी को बेचैन कर दिया है। कांग्रेस 2020 की तरह इस बार भी 70 विधानसभा सीटों पर ही चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन राजद ने इतनी सीटें देने से साफ-साफ इनकार कर दिया है। यानी अब यह तय हो गया है कि विपक्षी महागठबंधन में कांग्रेस को इस बार 2020 की तरह 70 सीटें नहीं मिलेगी। गठबंधन और सीटों को लेकर होने वाली बैठकों की अध्यक्षता भले ही तेजस्वी यादव कर रहे हो लेकिन पर्दे के पीछे से सब कुछ लालू यादव ही तय कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, राजद ने यह साफ कर दिया है कि राजनीतिक दलों की संख्या और क्षमता के आधार पर गठबंधन में कांग्रेस को लगभग 53 सीटें ही मिल सकती है। बिहार में वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के सबसे बड़े दल के तौर पर राजद 144 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जबकि कांग्रेस के खाते में 70 सीटें आई थी। सीपीआई-माले 19, सीपीआई 6 और सीपीएम 4 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने वाले मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी भी इस बार विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है।

कविता

प्रेम कहानी सुनो रे...

प्रेम कहानी सुनो रे, प्रेम कहानी
सौरभ की अनकही एक रवानी।
मुस्कान जैसी जल्लाद मिली,
आँखों में सबकी नमी ही नमी।

सुनो रे प्रेम कहानी अमन की जुबानी,
साहिल की नफरत, वो आग पुरानी।
सौरभ को उसने तड़पा के मारा,
नीले ड्रम में बंद किया सारा।

कटे हुए टुकड़े, खून के छींटे,
इश्क के नाम पर मौत घसीटे।
प्यार से शुरू, दर्द पर खत्म,
सौरभ की हस्ती मिटा दी एकदम।

प्रेम कहानी सुनो रे, प्रेम कहानी,
अब सुनो राजा रघुवंशि की कहानी।
मेघालय की वादियों में,
सोनम के प्यार की दास्तान थी छाई।

पर प्रेम में थी साज़िश की रवानी,
राजा को खिला के जहर की निशानी,
धक्का दे खाई में कर दी रिहाई,
फिर सोनम बन गई बस परछाईं।

भागी वो प्यार की लाश लिए,
रहस्य, पुलिस और काश लिए।
प्रेम कहानी सुनो रे, अनजानी,
अमन की जुबानी, अमन की जुबानी।

खौफ में लिपटी ये मोहब्बत की बात,
जिसमें ना रिश्ते बचे, ना साथ।
जहाँ चाहत ने खंजर उठाया,
जहाँ किस्मत ने खुद को मिटाया।

तो सुनो रे प्रेम कहानी,
जिसमें आँसू हैं, आग है, तूफानी।
हर दिल जो सोचे-ये कैसा प्यार?
जिसमें मिलती है मौत,
नहीं मिलता कोई उपहार।
कहत सुनती देखत आवे अखियों में पानी प्रेम कहानी सुनो रे प्रेम कहानी......

स्वरचित सर्वाधिकार सुरक्षित एवं अप्रकाशित रचनाए

-अमन रंगेला "अमन" सनातनी
सावनेर नागपुर (महाराष्ट्र)

जयंती

भुवनेश्वर (साहित्यकार)

जन्म: 20 जून, 1910, मृत्यु: 1957) हिंदी के प्रसिद्ध एकांकीकार, लेखक एवं कवि थे। भुवनेश्वर साहित्य जगत का ऐसा नाम है, जिसने अपने छोटे से जीवन काल में लीक से अलग किस्म का साहित्य सृजन किया। भुवनेश्वर ने मध्य वर्ग की विडंबनाओं को कटु सत्य के प्रतीरूप में उकेरा। उन्हें आधुनिक एकांकियों के जनक होने का गौरव भी हासिल है। एकांकी, कहानी, कविता, समीक्षा जैसी कई विधाओं में भुवनेश्वर ने साहित्य को नए तेवर वाली रचनाएं दीं। एक ऐसा साहित्यकार जिसने अपनी रचनाओं से आधुनिक संवेदनाओं की नई परिपाटी विकसित की। प्रेमचंद जैसे साहित्यकार ने उनको भविष्य का रचनाकार माना था। इसकी एक खास वजह यह थी कि भुवनेश्वर अपने रचनाकाल से बहुत आगे की सोच के रचनाकार थे। उनकी रचनायों में कलातीतता का बोध है, परन्तु आश्चर्यजनक रूप से यह भूतकाल से न जुड़ कर भविष्य के साथ ज्यादा प्रासंगिक नजर आती हैं। 'कारवां' की भूमिका में स्वयं भुवनेश्वर ने लिखा है कि 'विवेक और तर्क तीसरी श्रेणी के कलाकारों के चोर दरवाजे हैं'। उनका यह मानना उनकी रचनाओं में स्पष्टतया द्रष्टिगोचर भी होता भी है। इंसान को वस्तु में बदलते जाने की जो तस्वीर उन्होंने उकेरी, वो आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है।

पुण्यतिथि

वेंकटेश नारायण तिवारी

जन्म-1890, कानपुर, मृत्यु-20 जून, 1965) हिंदी के ध्वजवाहक, पत्रकार और साहित्यकार थे। उन्होंने राजनैतिक स्वतंत्रता से अधिक भाषा को महत्व दिया था।

कल मिलेंगे

दुकानदार-बहनजी आप दुकान पर आती हैं, गहने देखती हैं पर कुछ लेती क्यों नहीं?
कस्टमर-हमेशा लेती हूं पर आप ध्यान नहीं देते...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

धर्म का एक दशक: मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

-गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार

> तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग के बीच 2019 की अनौपचारिक शिखर वार्ता की तुलना में शायद कोई भी कूटनीतिक वार्ता इस बदलाव को बेहतर तरीके से नहीं दशार्ती है। दिल्ली के गलियारों से दूर, प्राचीन बंदरगाह का नगर, जो कभी पल्लव राजवंश और भारत-चीनी समुद्री संबंधों का एक संपन्न केंद्र होने के साथ-साथ दो सभ्यताओं के बीच वार्ता की पृष्ठभूमि बन गया

जनवरी 2024 में, जब पावन नगरी अयोध्या में सूर्योदय हुआ। सदियों से लुप्त हो चुकी प्रार्थना अब आखिरकार गुंजायमान होने लगी थी। श्री राम की अपने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महज एक धार्मिक उपलब्धि नहीं थी। यह सभ्यता के उद्धार का क्षण था। सदियों के आक्रमण, औपनिवेशिक विकृति और राजनीतिक देरी के बाद, मंत्रों से गूंजता हुआ और इतिहास के स्पंदन सहित, बलुआ पत्थर में उकेरा गया यह मंदिर शान से खड़ा था। यह सिर्फ वास्तुकला के बारे में नहीं था, यह एक घायल आत्मा के उपचार के बारे में था। श्री राम की अपनी जन्मभूमि पर वापसी ने उस राष्ट्र की आस्था को फिर से जागृत कर दिया, जिसने लंबे समय तक अपने दिल में निर्वासन की खामोशी को समेटे रखा था।

कुछ महीने पहले, भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंगोल को स्थापित किया। यह एक पवित्र राजदंड है, जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से, इसे भुला दिया गया था, समुचित स्थान से वंचित किया गया, और एक प्रचलित राजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था। इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था - यह एक शक्तिशाली घोषणा थी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया। यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था, जिसे उपनिवेशवाद के बाद के क्रम में लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया था। इतना ही नहीं, इन क्षणों ने एक गहरे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत दिया। यह एक सभ्यतागत गतिविधि के तौर पर ग्यारह परिवर्तनकारी वर्षों में सामने आएगी। 2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। योग केवल एक स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या भर नहीं है, बल्कि यह पिछले कुछ वर्षों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक निर्यात भी बन गया है।

आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार को संस्थागत बल दिया गया। इसके परिणामस्वरूप आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर पहुंचने में मदद मिली। समानांतर रूप से, सरकार ने संस्कृत, तमिल, पाली और प्राकृत जैसी शास्त्रीय भाषाओं को संरक्षित करने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और उस्ताद एवं हमारी धरोहर जैसी योजनाओं के तहत लुप्तप्राय लोक कलाओं और शिल्पों का समर्थन करने के लिए मिशन शुरू किए।

भारत की ऐतिहासिकों इमारतों में भी नई जान आ गई। 2018 में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण केवल व्यापकता के बारे में नहीं था, बल्कि एक गाथा को पुनः प्रतिष्ठित करने जैसा था। सरदार वल्लभभाई पटेल लंबे समय से ओझल हो रहे थे। उनको राष्ट्रीय स्मृति में सबसे आगे रखा गया। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक था। यह औपनिवेशिक प्रतीकवाद से देशी जवाबदेही की ओर बदलाव का भी प्रतीक था।

तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग के बीच 2019 की अनौपचारिक शिखर वार्ता की तुलना में शायद कोई भी कूटनीतिक वार्ता इस बदलाव को बेहतर तरीके से नहीं दशार्ती है। दिल्ली के गलियारों से दूर, प्राचीन बंदरगाह का नगर, जो कभी पल्लव राजवंश और भारत-चीनी समुद्री संबंधों का एक संपन्न केंद्र होने के साथ-साथ दो सभ्यताओं के बीच वार्ता की पृष्ठभूमि बन गया। जब नेता चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों और पत्थर के रथों के बीच चले, तो भारत ने न केवल भूगोल, बल्कि इतिहास और न केवल प्रोटोकॉल, बल्कि विरासत को भी प्रस्तुत किया। यह अपने सबसे सूक्ष्म और सबसे मजबूत रूप में सॉफ्ट पावर था।

यह सांस्कृतिक लोकाचार अन्य तरीकों से भी भारत की वैश्विक कूटनीति में प्रवाहित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व के नेताओं को राजकीय उपहार के तौर पर पट्टचित्र पेंटिंग से लेकर बच्चों के लिए लाख के खिलौने भेंट किए गए, जो अपने साथ भारत के कारीगरों और कालातीत परंपराओं के संदेश लेकर गए। 2023 में जी-20 की अध्यक्षता एक और सांस्कृतिक उपलब्धि साबित हुई। दिल्ली के डिप्लोमेटिक हॉल तक सीमित न रहकर, यह शिखर सम्मेलन सांस्कृतिक पहचान का अखिल भारतीय उत्सव बन गया। आदिवासी कला प्रदर्शनों से लेकर शास्त्रीय प्रदर्शनों तक, भारत ने न केवल अपनी नीतिगत गहराई, बल्कि अपनी आत्मा का भी प्रदर्शन किया। हर प्रतिनिधिमंडल भारत के रंगों, व्यंजनों, शिल्प और चेतना में डूबा हुआ था। संदेश स्पष्ट था: भारत भूतकाल की सभ्यता नहीं है - यह जीवंत, सशक्त और आत्मविश्वास से परिपूर्ण वैश्विक सभ्यता है।

इन वर्षों के दौरान, 600 से अधिक चोरी की गई कलाकृतियां विदेशी संग्रहालयों और संग्रहकताओं से वापस लाई गईं, जिनमें मूर्तियां, शिलालेख और पांडुलिपियां शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक की वापसी न केवल कला की बल्कि सम्मान की बहाली थी। इसी तरह, गुरु गोविंद सिंह के वीर शहजादों की शहादत को याद करने के लिए वीर बाल दिवस की स्थापना की गई, जबकि जनजातीय गौरव दिवस ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रीय केन्द्र में लाया।

महामारी भी सांस्कृतिक लौ को मद्धिम नहीं कर पाई। वर्चुअल कॉन्सर्ट, डिजिटल म्यूजियम टूर और मन की बात के माध्यम से, प्रधानमंत्री ने सुनिश्चित किया कि कला, कहानियां और सांस्कृतिक गौरव लॉकडाउन के एकांत में भी पुष्पित-पल्लवित होते रहें। विकास भी, विरासत भी के नारे जैसे अभियान में ये सभी समाहित हो गए। यह एक आह्वान है जो आर्थिक विकास को सांस्कृतिक गौरव के साथ-साथ चलने पर जोर देता है। मोदी सरकार के तहत, यह नारा केवल बयानबाजी नहीं था। इसने एक नई दृष्टि को परिभाषित किया। एक दृष्टि, जिसमें जीडीपी वृद्धि, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा आधुनिकीकरण, मंदिर जीर्णोद्धार, आदिवासी गौरव और सभ्यता की गाथा समाहित थे।

भारत आज अपनी पहचान के इर्द-गिर्द नहीं घूमता। बिना किसी पछतावें और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर यह आगे बढ़ता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद प्रगति की बाध्यकारी शक्ति के रूप में उभरा है, जिसे कभी प्रतिगामी के रूप में खारिज कर दिया गया था। भाजपा के वैचारिक कम्पास में, संस्कृति केवल एक सहायक भर नहीं है, बल्कि धुरी है।

इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है, बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरू हुआ था, वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता था, वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं।

राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे, लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है। भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा, जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फ एक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैं, बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं। और उस स्मृति में, धर्म की निगरानी में, भारत ने फिर से अपनी आवाज पाई है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

-ललित गर्ग

> जी-7 शिखर बैठक 15 से 17 जून 2025 तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मेजबानी में हो रही है। इसमें जी-7 देशों के प्रमुखों के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज जैसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है

विश्व में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भले ही अभी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है, लेकिन उसने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम की क्रूर आतंकवादी हमले की निंदा की है। ऐसा करते हुए एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है जो भारत की इस विषयक सफलता को द्योतक हैं। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते। आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, इस मांग के सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का ही संकेत हैं। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, भारत के सांसदों एवं अफसरों के प्रतिनिधिमण्डल को पाक को बेनकाब करने के लिये विश्व के प्रमुख देशों में भेजा, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं।

एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में किसी देश को तब तक निगरानी में रखा जाता है, जब तक कि वह अपनी वित्तीय प्रणाली में पहचानी गई खामियों, त्रुटियों, विसंगतियों को ठीक नहीं कर लेता। पाकिस्तान निरंतर आतंकवाद को पोषण एवं प्रोत्साहन देने के लिये 2022 तक ग्रे लिस्ट में था, उसी वर्ष उसे ग्रे लिस्ट से हटाया गया, बावजूद पाकिस्तान ने कोई सुधार नहीं किया है और आतंकवादियों को न सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है, बल्कि आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे आपराधिक कामों में भी खुद को शामिल करते हुए आतंकवाद की प्रयोगशाला बना हुआ है। एफएटीएफ ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही कठोर शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि राज्य प्रायोजित आतंकवाद इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाक को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा।

दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन एफएटीएफ को मनाने में आंशिक रूप से सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाक को करना पड़ेगा। यूं भी यह अन्तर्राष्ट्रीय धन का गलत एवं अतिश्योक्तिपूर्ण इस्तेमाल देरसबेर विश्व के सामने आयेगा। भारत दुनिया के देशों को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा है कि पाक न केवल आतंकवाद का समर्थन करता है, बल्कि वह आतंकवाद का पोषक भी है और वह आतंकवाद के लिए फंडिंग भी करता है। इस तरह इसे भारत की कूटनीतिक विजय कहा जा सकता है। क्योंकि एफएटीएफ का इतना बोल्ड बयान पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा है। एफएटीएफ की ओर से जारी आधिकारिक बयान की गहराई को समझने की जरूरत है, कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। यानि एफएटीएफ ने यह मान लिया है कि पहलगाम हमला आतंकवादी वित्त पोषण के कारण ही अमल में आया। एफएटीएफ का यह बयान भारत के लिए बहुत अहम है। ध्यान रहे कि एफएटीएफ, जी-7 देशों की ओर से स्थापित एक स्वतंत्र संस्था है, जो देशों की वित्तीय नीतियों का मूल्यांकन करती है। गौरतलब है कि वर्तमान में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में 24 देशों का नाम है, जो धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्त पोषण के लिए निगरानी में हैं।

यहां यह उल्लेखनीय एवं ध्यान देने वाली बात है कि पाक को कई बार एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जा चुका है। इसे पहली बार 2008 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था, लेकिन बाद में 2010 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद, 2012 में पाक को फिर से इस लिस्ट में डाला गया और 2015 में इसे दुबारा हटा दिया गया। इसके बाद, पाक को जून 2018 में फिर से ग्रे लिस्ट में डाला गया था और अक्टूबर 2022 में इसे हटा लिया गया। लेकिन यह कुत्ते की ऐसी दूम है जिसे कितने की कड़े प्रावधानों में रखा जाये, यह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। उल्लेखनीय है कि एफएटीएफ ने वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है। अहम बात यह है कि एफएटीएफ के सख्त एवं कठोर व्यवहार के बाद अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के यह समझ में आने लगा है कि पाकिस्तान एक असुरक्षित एवं आतंकवादी पोषक गंतव्य बनता जा रहा है। ऐसे में एफएटीएफ के दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों की संभावना के कारण पाक की पहले से ही डांवाडोल अर्थव्यवस्था को और झटका लग सकता है।

जी-7 शिखर बैठक 15 से 17 जून 2025 तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मेजबानी में हो रही है। इसमें जी-7 देशों के प्रमुखों के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज जैसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक के दौरान जी-7 के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पाक का सच और ऑपरेशन सिंधूर की सफलता के बारे में बताते हुए आतंकवाद के विरोध में संगठित होने के लिये वातावरण बना रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ के बयान का स्वागत करते हुए कहा भी है कि यह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख की पुष्टि करता है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने भी एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीर बताते हुए कहा कि यह पाक के लिए एक और बड़ा झटका है, जिससे उसकी वैश्विक छवि और कमजोर हो सकती है। गौरतलब है कि भारतीय अधिकारियों ने पिछले महीने पेरिस और वॉशिंगटन में एफएटीएफ प्रतिनिधियों से बैठक कर पाक के खिलाफ नई कार्रवाई की मांग की थी।

भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाक आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाक का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा। दरअसल, पाक हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं। भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का सफल प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफ के कर्ता-धताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं। एक ओर पाक आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय बढ़ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्ट्रीय सुरक्षा की बजाय आतंकवाद को पल्लवित करने पर खर्च करेगा। इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण आतंकवाद पोषण की स्थितियों में धन के किसी भी दुरुपयोग का पता लगाने के लिये उसके नियमित खर्च की निगरानी अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को करनी चाहिए।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

अमेरिका के जंग में उतरने से पहले ही दुनिया में तेज हुई हलचल

(एजेन्सी)।
अमेरिका। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने बढ़ते रणनीतिक तालमेल को रेखांकित करते हुए ईरान-इजराइल संघर्ष से जुड़े घटनाक्रमों पर मिलकर काम करने पर सहमति जताई है। क्रेमलिन ने पुष्टि की कि दोनों नेताओं ने अपनी-अपनी एजेंसियों को स्थिति से जुड़ी जानकारी का आदान-प्रदान करने का निर्देश दिया है। पुतिन और शी जिनपिंग ने ईरान मुद्दे पर एक घंटे की बातचीत में सहमति जताई है। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव के अनुसार, दोनों नेताओं ने एक घंटे तक विस्तृत फोन पर बातचीत की, जिसके दौरान वे ईरान पर संवेदनशील खुफिया जानकारी साझा करने पर आम सहमति पर पहुँचे।

उशाकोव ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन और शी जिनपिंग ने अपनी-अपनी एजेंसियों को ईरान से संबंधित सूचनाओं का समन्वय और आदान-प्रदान करने का निर्देश देने पर सहमति जताई। नेताओं ने संघर्ष पर साझा रुख भी व्यक्त किया, रूस और चीन दोनों ने इजरायल की हालिया सैन्य कार्रवाइयों की निंदा की। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनी मानदंडों के उल्लंघन के रूप में वर्णित की गई आलोचना की।

रूस और संयुक्त अरब अमीरात ने संयुक्त रूप से इजरायल और ईरान के बीच शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया। दोनों देशों ने कूटनीतिक वार्ता को फिर से शुरू करने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को हल करने के प्रयासों में तेजी लाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। राष्ट्रपति पुतिन ने कथित तौर पर यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ फोन पर बातचीत में इस मामले पर चर्चा की, जिसमें आगे की वृद्धि को रोकने के लिए राजनीतिक समाधान के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

पुतिन, शी ईरान-इजराइल युद्ध पर सूचना साझा करने को सहमत हुए

(एजेन्सी)।
रूसी राष्ट्रपति कार्यालय एवं आधिकारिक आवास क्रेमलिन ने बृस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग ईरान-इजराइल युद्ध पर संवेदनशील जानकारी एक दूसरे को मुहैया करने के लिए सहमत हुए हैं। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन और शी चिनफिंग ने फोन पर घंटे भर हुई बातचीत के दौरान अपनी-अपनी एजेंसियों को ईरान के बारे में जानकारी साझा करने के आदेश जारी करने पर सहमति जताई। पिछले हफ्ते इजराइल ने ऑपरेशन राइजिंग लॉयन शुरू किया था, जिसमें ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। बाद में, ईरान ने भी इजराइल पर जवाबी हमले किए।

बुधवार को रूस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इजराइल-ईरान युद्ध को तत्काल समाप्त करने और तेहरान के परमाणु मुद्दे का हल करने के लिए राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयासों को तेज करने की अपील की थी।

क्रेमलिन के अनुसार, राष्ट्रपति पुतिन ने यूएई के अपने समकक्ष मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की।

सचिन तेंदुलकर ने शुभमन गिल को दिया गुरुमंत्र

(एजेन्सी)।
शुक्रवार यानी 20 जून से भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की अग्निपरीक्षा शुरू होगी। भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के आगाज से पहले क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर को नए कप्तान शुभमन गिल को गुरुमंत्र दिया है।

सचिन तेंदुलकर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में बदलाव के कठिन दौर में टीम की कमान संभालने जा रहे शुभमन गिल को उचित समय और सहयोग दिया जाना चाहिए। उन्होंने साथ ही नए कप्तान को सलाह दी कि ड्रेसिंग रूम से बाहर की टिप्पणियों पर सोचे बिना वह अपनी रणनीति पर फोकस रखें।

25 साल के शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत के कप्तान होंगे। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के साथ ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के चौथे चक्र की शुरूआत होगी। वहीं भारतीय टीम अपने तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के बिना उतरेगी जो टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं।

हेडिंग्ले, लीड्स में पहले टेस्ट से पूर्व एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में सचिन तेंदुलकर ने कहा कि, मुझे लगता है कि उसे समय देना होगा। उसे सहयोग देने की भी जरूरत है। मुझे लगता है कि कई तरह के सुझाव सामने आएंगे कि उसे ऐसा करना चाहिए या वैसा करना चाहिए। इस तरह की बातें होंगी, लेकिन उसे टीम की रणनीति पर फोकस करना चाहिए। ड्रेसिंग रूप में क्या बात हो रही है और क्या रणनीति उसके अनुरूप है।

तेंदुलकर ने आगे कहा कि, जो भी फैसले हो रहे हैं वे टीम के हित में हैं या नहीं और उसे किस पर ध्यान देना चाहिए। उसे बाहरी आवाजों पर ध्यान नहीं देना चाहिए, जिसमें लोग कहेंगे कि वह ज्यादा आक्रामक है या ज्यादा रक्षात्मक या इसी तरह की बातें। लोग राय देते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि, आखिर में मायने यही रखता है कि ड्रेसिंग रूम में क्या हो रहा है और टीम के हित में वह क्या कर रहा है। यही अहम है बाकी कुछ नहीं।

सचिन तेंदुलकर का मानना है कि बल्लेबाजों को हालात के अनुरूप खुद को ढालना होगा। उन्होंने कहा कि, आपको हालात को भांपकर उसके अनुरूप बल्लेबाजी करनी होगी। जब आप हालात को समझते हैं तो मानसिक तौर पर उस तरह से अपनी रणनीति बना सकते हैं। एकतरफा ट्रैफिक नहीं हो सकता कि मेरा खेल ऐसा है और मैं तो ऐसे ही खेलूंगा।

पाटलीपुत्र और गोरखपुर के बीच दौड़ेगी वंदे भारत

(एजेन्सी)।
पाटलिपुत्र से गोरखपुर का सफर अब और भी आसान होने वाला है। इस रूट पर अब वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पटरियों पर दौड़ती दिखेगी। इस रूट पर अब वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन भी चलने वाली है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीवान से 20 जून को वर्चुअली करेंगे। सीवान में ही कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे।

पाटलिपुत्र जंक्शन से गोरखपुर तक जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस को लेकर बता दें कि बीते बुधवार को ट्रेन पटना पहुंची है। इसके उद्घायन को लेकर पाटलिपुत्र जंक्शन पर तैयारी शुरू हुई है। बता दें कि वंदे भारत ट्रेन का रखरखाव गोरखपुर वर्कशॉप पर किया जाएगा। वहीं इसकी साफ सफाई का कार्य पाटलिपुत्र जंक्शन पर होगा। वंदे भारत एक्सप्रेस का रूट और समय को लेकर अब तक जानकारी सामने नहीं आई है। संभावना है कि इसका स्टॉप हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, बेतिया और नरकटियागंज में होगा। सुबह 5.40 बजे ये ट्रेन गोरखपुर से रवाना होगी। इसके बाद ये कप्तानगंज, नरकटियागंज, बेतिया, बापूधाम मोतिहारी और मुजफ्फरपुर जंक्शन पर ब्रेक लेगी। दोपहर लगभग 12.45 बजे इस ट्रेन को पाटलिपुत्र पहुंचना है। पाटलिपुत्र से वापसी में यह ट्रेन दोपहर करीब 3:30 बजे रवाना होगी। रात 10.20 बजे इस ट्रेन को गोरखपुर पहुंचना होगा।

इस ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए पाटलिपुत्र से गोरखपुर तक के लिए एसी चेयर कार के लिए 740 रुपये किराया होगा। वहीं एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 1540 रुपये किराया देना होगा। पाटलिपुत्र से मुज्फरपुर तक के लिए चेयर कार का किराया 295 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए किराया 625 रुपये होगा।

टीवी जर्नलिस्ट बनना चाहती थीं काजल अग्रवाल

(एजेन्सी)। 19 जून को साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस काजल अग्रवाल अपना 40वां जन्मदिन मनाई। वह साउथ और बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इन दिनों एक्ट्रेस अपना मदरहुड एंजॉय कर रही हैं। काजल अग्रवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने बेटे के साथ प्यारी-प्यारी तस्वीरें शेयर करती हैं। काजल अग्रवाल वर्तमान समय में तेलुगु और तमिल फिल्म इंडस्ट्री में सबसे अधिक डिमांड की जाने वाली एक्ट्रेस हैं। एक पंजाबी परिवार में 19 जून 1985 को काजल अग्रवाल का जन्म हुआ था। उन्होंने मुंबई के स्कूल सेंट एनी हाई स्कूल से पढ़ाई की। बाद में उन्होंने केसी कॉलेज मुंबई से अपनी ग्रेजुएशन मास मीडिया स्ट्रीम में पूरी की। काजल अग्रवाज ने जर्नलिज्म की पढ़ाई की है। काजल बचपन से एक टीवी जर्नलिस्ट बनना चाहती थीं। लेकिन बाद में वह अभिनेत्री बन गईं। फिल्म 'लक्ष्मी कलयाणम' में काजल अग्रवाल ने कल्याण राम के अपोजिट तेलुगू सिनेमा में डेब्यू किया। उनको पहली कमर्शियल सफलता तेलुगु मूवी 'चंदामामा' से मिली थी। साल 2009 में आई फिल्म 'मगधीरा' ने काजल को तेलुगु सिनेमा में सफलता दिलाई। जिसके बाद अभिनेत्री ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। फिल्म मगधीरा में काजल अग्रवाल के अपोजिट रामचरण तेजा थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से अधिक कमाई की थी। वहीं काजल बेस्ट तेलुगु एक्ट्रेस के फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए भी नॉमिनेट हुई थीं।

शिक्षा मंत्री ने सीकर जिले के लालासी में वंदे गंगा अभियान में श्रमदान और पौधारोपण किया

जल और पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी, अभियान को बनाएं जनआंदोलन: मदन दिलावर

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने बुधवार को सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ उपखण्ड के लालासी ग्राम पंचायत के बऊ धाम में सरोवर पूजन कर श्रमदान और पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को गति देने के निर्देश दिए। शिक्षा मंत्री ने तालाबों, बावड़ियों और एनिकटों की साफ-सफाई, मरम्मत और कैचमेंट एरिया से अतिक्रमण हटाने पर जोर दिया ताकि मानसून में जल संचयन बढ़ाया जा सके।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे प्राचीन साहित्य में जल, अग्नि और वायु को ईश्वर का दर्जा दिया गया है। भारत में विश्व का मात्र 4 प्रतिशत शुद्ध जल है, जबकि जनसंख्या 16% है। राजस्थान में देश का 10.4 प्रतिशत क्षेत्र होने के बावजूद पानी केवल 1 प्रतिशत है। उन्होंने चिंता जताई कि 150 प्रतिशत की दर से भूजल दोहन हो रहा है। पानी का दुरुपयोग मानवता के लिए खतरा है, हमें इसे संरक्षित करना होगा।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि वृक्ष प्रदूषण रोकने में अहम हैं। राजस्थान में स्व. अमृता देवी के नेतृत्व में 363 लोगों ने वृक्षों की रक्षा के लिए बलिदान दिया था। उन्होंने पॉलीथीन के उपयोग को पूरी तरह बंद करने की अपील की क्योंकि इससे हर साल लाखों लोग स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं से प्रभावित होते हैं। पंचायती राज विभाग प्रत्येक ग्राम पंचायत को साफ-सफाई के लिए हर माह 1 लाख रुपये दे रहा है। उन्होंने सफाई कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों को निलंबन की चेतावनी दी। उन्होंने बताया कि पिछले साल 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए और इस साल 10 करोड़ का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल औपचारिकता नहीं, यह भावी पीढ़ियों को स्वच्छ व सुरक्षित पर्यावरण देने का प्रयास है।

खंडेला विधायक सुभाष मील ने जोहड़ों और तालाबों में वाटर रिचार्जिंग स्ट्रक्चर बनाने की बात कही। धोद विधायक गोवर्धन वर्मा ने सामूहिक प्रयास से जल संरक्षण और पौधारोपण की जरूरत बताई। उन्होंने सुझाव दिया कि दोपहिया वाहन चालकों को 20, चारपहिया चालकों को 30 और एसी उपयोग करने वालों को अनिवार्य रूप से 50 पौधे लगाने चाहिए।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक में शिक्षा मंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि बावड़ियों, तालाबों और एनिकटों के कैचमेंट एरिया से अतिक्रमण हटाने और उनकी मरम्मत के लिए बजट की कोई कमी नहीं है। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, पूर्व सांसद सीकर स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा, दिनेश जोशी, नवरंग चौधरी, मनोज बाटड़ भी उपस्थित रहे।

पंजाब सरकार बनी बेसहारा बच्चों का सहारा; गोद लेने की प्रक्रिया को कानूनी और सुरक्षित बनाएंगे: डॉ. बलजीत कौर

'एडॉप्शन रेगुलेशन-2022' को प्रभावी रूप से लागू करने पर दिया गया जोर

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब सरकार राज्य के बेसहारा बच्चों के सुनहरे भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए गोद लेने की प्रक्रिया को कानूनी और सुरक्षित बनाएगी।

यहां महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में एडॉप्शन रेगुलेशन-2022 संबंधी राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर संबोधित करते हुए पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि बेसहारा बच्चों को कानूनी और सुरक्षित तरीके से गोद लेने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को गोद लेने की प्रक्रिया की जानकारी देना है, ताकि गोद लेने के बाद किसी भी प्रकार की कानूनी अड़चन न आए।

यह कार्यक्रम सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग पंजाब द्वारा केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा) और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक कोऑपरेशन एंड चाइल्ड डेवेलपमेंट (निपसड) मोहाली के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि यह हमारे समाज की एक दुखद सच्चाई है कि कई बार नवजात बच्चों को छोड़ दिया जाता है या उनकी जान लेने जैसी घटनाएं घटित होती हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो परिवार सक्षम हैं और सुख-सुविधाओं से संपन्न हैं, वे इंसानियत के नाते ऐसे अनाथ और बेसहारा बच्चों को कानूनी प्रक्रिया के तहत गोद लेने के लिए आगे आएं। इससे बच्चे को माता-पिता का प्यार मिलेगा और उसका भविष्य भी सुरक्षित होगा। मंत्री ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गोद लेने की प्रक्रिया से जुड़े सभी भागीदारों को इसकी कानूनी प्रक्रिया की पूरी जानकारी हो। इससे भविष्य में प्रत्येक गोद लेने की प्रक्रिया नियमों के अनुसार और बेहतर ढंग से पूरी हो सकेगी।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार हर बच्चे को प्यार, सुरक्षा और अच्छे भविष्य की गारंटी देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि एडॉप्शन रेगुलेशन-2022 को राज्य में लागू करके बिना माता-पिता वाले बच्चों की ज़िंदगी में नए रंग भरने और उन्हें एक प्यार भरा घर उपलब्ध करवाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

पंजाब राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के चेयरमैन कंवरदीप सिंह ने इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से गोद लेने की प्रक्रिया से सीधे जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के ज्ञान में वृद्धि होगी।

नि:शुल्क आंख जांच शिविर का होगा आयोजन

एसबी ब्यूरो

बरौनी (बेगूसराय)। 1 जुलाई 2025 मंगलवार को डॉक्टर्स डे के शुभ अवसर पर किरण नेत्रालय सेवा समिति फुलवड़िया बाजार कैड़ीबाड़ी दुर्ग स्थान के निकट नि:शुल्क आंख जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। किरण नेत्रालय सेवा समिति के प्रसिद्ध आंख रोग विशेषज्ञ डॉ.अजीत कुमार ने बताया कि इस शिविर में आये हुए रोगियो को मुफ्त आंख जांच, चश्मा जांच किया जाएगा,एवं डायबिटीज रोगियों को मुफ्त मधुमेह जांच एवं जरुरतमंदों को मुफ्त दवा दी जाएगी। मात्र 3500 रुपया में मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है।

उपचुनाव को लेकर हुआ नामांकन

एसबी ब्यूरो

तेघड़ा/बेगूसराय। 19 जून 2025 को पकठौल पंचायत उपचुनाव 2025 के सरपंच पद के लिए अविनाश कुमार साहू ने चुनाव अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। अविनाश कुमार साहू युवा, संघर्षशील, शिक्षित, कर्मठ, लोकप्रिय उम्मीदवार हैं। पंचायत की जटिल से जटिल समस्याओं का निष्पादन करने की इनके अंदर दूर दृष्टि क्षमता है।

समाज के अंदर समाज में शांति, अमन भाईचारा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखना। जटिल समस्याओं का निष्पादन कर उनकी समस्याओं का निदान करना उनकी प्रथम प्राथमिकता रहती है। सभी मतदाता मां, बहन, भाइयों से इन्होंने अपील किया है कि बढ़ चढ़कर समाज को सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने में सहयोग करें और अपना बहुमूल वोट से मुझे आशीर्वाद दें। पंचायत के प्रबुद्ध लोगों ने भी आवाहन किया है की विकसित सोच और सही सूझबूझ के धनी सच्चे और ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ साथी अविनाश कुमार को भारी मतों से जीताकर सरपंच बनाना है।

हरभजन सिंह ई.टी.ओ. द्वारा राज्य में ट्रैफिक सैंसस करवाने के आदेश

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब के लोक निर्माण मंत्री स. हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने राज्य में ट्रैफिक सैंसस करवाने के आदेश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत की कि राज्य की सड़कों पर 30 सितम्बर, 2025 तक ट्रैफिक सैंसस को मुकम्मल कर लिया जाये जोकि सड़कों की अपग्रेडशन और नए निर्माण को और तर्कसंगत बनाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके इलावा ट्रैफिक सैंसस से सम्बन्धित डाटा के द्वारा सड़कों के नवनिर्माण, चौड़ीकरण और अन्य आवश्यक सुधारों के बारे जानकारी प्राप्त करके सड़क यातायात को और सुरक्षित बनाया जा सकेगा जिससे दुर्घटनाओं में होते कीमती जानमाल के नुकसान से भी बचाव होगा।

यहाँ लोक निर्माण मंत्री स. हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने लोक निर्माण विभाग और पंजाब मंडी बोर्ड के अधिकारियों के साथ राज्य की सड़कों और पुलों को बेहतरीन बनाने के लिए किये जाने वाले कामों सम्बन्धी एक सांझी मीटिंग की अध्यक्षता की।

मीटिंग में विभिन्न स्कीमों के अधीन और विशेष तौर पर लिंक सड़कों संबंधी प्रस्तावित और चल रहे कामों का जायजा लिया गया। इस मौके पर लोक निर्माण विभाग प्रशासनिक सचिव श्री रवि भगत और पंजाब मंडीकरण बोर्ड के सचिव श्री रामवीर के साथ-साथ विशेष सचिव श्रीमती हरगुनजीत कौर और विभागों के उच्च अधिकारी मौजूद थे। मुख्य इंजीनियर लोक निर्माण द्वारा बताया गया कि पी. एम. जी. एस. वाई. स्कीम के अधीन एफ. डी. आर भाव फुल डेप्थ रिक्लेमेशन के द्वारा 581 कि.मी. लिंक सड़कों के निर्माण के टैंडर माँगे जा रहे हैं। नाबार्ड स्कीम के अधीन 281 करोड़ रुपए की लागत के साथ राज्य की मौजूदा ग्रामीण सड़कों के मजबूतीकरण और नवनिर्माण के काम भी शुरू किये जा जा रहे हैं। इस मौके पर स. हरभजन सिंह ई. टी. ओ. ने पी. आर. बी. डी. बी. के अधीन चल रहे अन्य कार्यों का विस्तृत जायजा भी लिया और कामों में आ रही अड़चनों / दिक्कतों के बारे भी जानकारी ली। उन्होंने आधिकारियों को अपने काम ईमानदारी और अच्छी गुणवत्ता के साथ करवाने की हिदायत की।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य की सड़कों को विश्व स्तरीय बनाने के लिए प्रयासरत है जिससे राज्य की विकास रफ़्तार को और तेज किया जा सके।

अपराध निरोधक कमेटी की बिल्सी थाना कमेटी गठित

नितीश माहेश्वरी अध्यक्ष एवं उमेश चंद वार्ष्णेय सचिव चुने गए

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। जिला अपराध निरोधक कमेटी के ज़िला प्रभारी मोहम्मद शमसुद्दीन शम्स के द्वारा नामित बिल्सी चुनाव अधिकारी डॉ नेत्रपाल सिंह शैलानी ने महेश बाल बिद्या इंटर कॉलेज बिल्सी में अपराध निरोधक कमेटी की बिल्सी थाना कमेटी जे किए कार्यकारणी का चुनाव संपन्न कराया। जिसमें लोकेंश बाबू वार्ष्णेय ने सहयोग प्रदान किया। चुनाव अधिकारी के अनुसार नितीश माहेश्वरी को सर्वसम्मति से बिल्सी थाना कमेटी का अध्यक्ष, उमेश चंद वार्ष्णेय को सचिव, डॉ सासाद खान को उपाध्यक्ष, हेमेंद्र सूर्यवंशी को कोषाध्यक्ष, इमरान गाजी को कार्यालय प्रभारी शलभ सोमानी को मिडिया प्रभारी चुना गया। साथ ही नीरज कुमारी, शेषपाल शाक्य, भुवनेश कुमार, गफ्फार, उमेश सूर्यवंशी, नेमसिंह, शिशुपाल, पूरन सिंह, शकी आलम, सुमुन, एजादआदि को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया।

इस अवसर पर डॉ नेत्रपाल सिंह शैलानी ने कहा कि सबसे पुरानी और मजबूत संस्था विगत कई वर्षों से जनपद में निष्क्रिय थी। परन्तु पिछले वर्ष से उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति लखनऊ के चेयरमैन माननीय कमलेश श्रीवास्तव जी ने बदायूं जनपद की जिम्मेदारी वरिष्ठ समाजसेवी मुहम्मद शमसुद्दीन शम्स को प्रभारी बनाकर सौंपी है तब से एक बार पुनः अनिक ने जनपद में अपनी खोई हुई पहचान बनाने का कार्य किया है। इसी क्रम में जनपद में थाना कमेटियों का गठन किया जा रहा है जिसका आरंभ आज बिल्सी थाना कमेटी के गठन से हुआ है। मुझे बिल्सी में गठन की जिम्मेदारी दी गई जो आप सभी के सहयोग से शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मुबारकबाद और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि हमें सक्रियता अपनाते हुए अच्छे आचरण एवं समाजसेवा की भावना से प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करना है। थाना स्तर कर छोटे मोटे झगड़ों का आपस में तस्फिया कराकर उन्हें आपसी समझौते के आधार पर निबटाना है वरना यही छोटे झगड़े आगे चलकर बड़ी घटना का रूप के लेते है।

जिला संगठन मंत्री लोकेंश बाबू वार्ष्णेय ने कहा कि बिल्सी में अपराध निरोधक कमेटी पुलिस प्रशासन को पूरा सहयोग करेगी और समय समय पर गोष्ठियां आयोजित कर लोगों को अपराध निरोधिकरण के लिए जागरूक करेगी। इस मौके कर उपरोक्त बिल्सी थाना कमेटी मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, लोकसभा सांसद सह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिन बीरपुर प्रखंड के नौला पंचायत गारा गांव में धूमधाम से मनाया गया। मौके पर उपस्थित लोगों ने केक काटकर राहुल गांधी को बधाई दी और एक दूसरे का मुंह मीठा किया। कार्यक्रम पूर्व विधायक की देखरेख और उनकी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

भूषण ने इस अवसर पर कहा कि देश के लोकतंत्र की आवाज बन चुके राहुल गांधी के जन्मदिन को हम संविधान रक्षा दिवस के रूप में मना रहे हैं। देश का संविधान स्वास्थ्य और सुरक्षित रहे इसके लिये हम सब राहुल गांधी के अच्छे स्वास्थ्य और उनके दीघार्यु होने की कामना कर रहे हैं। आज देश जिस दौर से गूजर रहा है। उसमें राहुल गांधी का मंत्र डरो मत ही एक मात्र रास्ता है इससे पूर्व भूषण ने नौला में दर्जनों कार्यकर्ताओं के घर हर घर कांग्रेस का झंडा कार्यक्रम के तहत झंडा लगाया गया। इस कार्यक्रम के पश्चात भूषण डीह पंचायत के करीम टोल में दलित समाज के दर्जनों प्रतिनिधियों के साथ सामाजिक न्याय के मुद्दे पर संवाद किया और राहुल गांधी के द्वारा इसके लिए किए जा रहे संघर्ष की चर्चा की।

मौके पर प्रखंड अध्यक्ष धर्मराज सहनी, संजीव सिंह, आनन्द प्रेम, नितेश झा, राममूर्ति सिंह, शंभु साह, ललन पासवान, अंकुश कुमार, रितेश कुमार, राजकुमार, सहेंद्र सिंह, रामबाबु पासवान, जगरनाथ पासवान, कपिलदेव पासवान, मेघन पासवान, कृष्णा कुमार, महावीर पासवान, अरविंद पासवान, विजय पासवान, कुमार रत्नेश टूल्लु, बसंत कुमार, सुरजीत कुमार, गोलू कुमार, रमानन्द सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

हरियाणा की भाजपा सरकार ने 8653 पदों पर भर्तियां रद्द कर बेरोजगारों के सपनों को तोड़ा: कुमारी सैलजा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

हरियाणा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार का ही लोगों के साथ विश्वासघात करना ही रहा है, किसानों के साथ विश्वासघात का खेल जारी है तो युवाओं के भविष्य से भी विश्वासघात किया है। विधानसभा चुनाव के समय वोट लेने के लिए पदों को विज्ञापित किया और जब काम निकल गया तो 8653 पदों पर भर्तियां रद्द कर सरकार ने बेरोजगारों के सपनों को तोड़ कर रख दिया है। इस प्रदेश का आहत युवा आने वाले समय में भाजपा को सबक सिखाकर रहेगा।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि वह युवाओं की आकांक्षाओं, मेहनत और भविष्य को लेकर कतई गंभीर नहीं है। चुनाव से ठीक पहले युवाओं को लुभाने के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से 8653 पदों की भर्ती की घोषणा की गई। इनमें पुलिस, आईआरबी, स्टेनो, टाइपिस्ट जैसे अहम पद शामिल थे, जिसके लिए लाखों बेरोजगार युवाओं ने कठिन परिश्रम से तैयारी की थी। लेकिन सत्ता में आते ही भाजपा सरकार ने इन सभी भर्तियों के विज्ञापन वापस लेने की अनुमति देकर युवाओं के भविष्य पर करारा प्रहार किया है। यह कोई सामान्य प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि एक सोचा-समझा विश्वासघात है एक ऐसा धोखा, जो हरियाणा के युवाओं को न केवल बेरोजगारी की दलदल में और गहरे धकेलता है, बल्कि उन्हें हतोत्साहित और अपमानित भी करता है।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा पहले ही देश में सबसे अधिक बेरोजगारी वाला राज्य बन चुका है। यह सरकार की अस्थिर, अपारदर्शी और जनविरोधी नीतियों का परिणाम है। जो सरकार अपने ही वादों से यू-टर्न ले, उस पर भरोसा कैसे किया जा सकता है? सांसद ने कहा कि जिस भर्ती के लिए लाखों युवाओं ने दिन-रात मेहनत की और भविष्य के सपने देखे, भाजपा सरकार ने एक झटके में उन सभी सपनों को चकनाचूर कर दिया। यह युवाओं के साथ किया गया सुनियोजित विश्वासघात है। भाजपा सरकार की ऐसी ही अस्थिर, अपारदर्शी और युवा विरोधी नीतियों ने हरियाणा को बेरोजगारी में देश का नंबर वन राज्य बना दिया है।

सांसद ने सरकार से मांग की है कि 8653 पदों के सभी विज्ञापन को तत्काल प्रभाव से पुनः बहाल किया जाए, युवाओं को लिखित रूप में यह आश्वासन दिया जाए कि आगे से भर्तियों को लेकर कोई भ्रामक घोषणा नहीं की जाएगी, सभी लंबित भर्तियों की प्रक्रिया को पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। सांसद ने कहा कि वे हरियाणा के युवाओं को विश्वास दिलाती है कि कांग्रेस पार्टी उनके अधिकारों और भविष्य के लिए सशक्त रूप से आवाज उठाती रहेगी।

मण्डलायुक्त ने संगम क्षेत्र में साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओ का किया निरीक्षण

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

प्रयागराज। मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत बुधवार को संगम क्षेत्र पहुंचकर वहां पर साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओ का निरीक्षण करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए है। निरीक्षण में संगम क्षेत्र में यमुनापट्टी पर साफ-सफाई की व्यवस्था ठीक न पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए वहां पर साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। संगम क्षेत्र में लगाये गये नल स्टैण्ड पोस्ट में लिकेज पाये जाने पर जल निगम को उसको तत्काल ठीक कराये जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने हनुमान जी के मंदिर के आस-पास बड़ी गाड़ियों एवं छोटो गाड़ियों के अव्यवस्थित ढंग से खड़े पाये जाने पर उन्होंने वहां पर पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने एवं वहीं पर गाड़ियों को व्यवस्थित ढंग से खड़ी किये जाने के लिए निर्देशित किया है। संगम नोज के पास बनाये गये चेजिंग रूमों में से कुछ चेंजिंग रूमों के खराब पाये जाने पर उसको ठीक कराये जाने का निर्देश दिया है।

नगर निगम के द्वारा संचालित किये जाने वाले स्टीमरों के बंद पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने उनको नियमित रूप से संचालित किये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने संगम क्षेत्र में रखे गये शौचालयों की समुचित साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर अपर मेलाधिकारी श्री दयानंद प्रसाद व उप मेलाधिकारी उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने सुनीं जन समस्याएं

युवती का मोबाइल नंबर तथा अश्लील संदेशों को वायरल करने की शिकायत पर डीएसपी को केस दर्ज करने के निर्देश दिए

संजना भारती संवाददाता

चण्डीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने अंबाला छावनी में अपने आवास पर अम्बाला छावनी के लोगों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के लिए दिशा-निर्देश दिए।

अंबाला छावनी निवासी एक युवती ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज को अपनी शिकायत देते हुए बताया कि उनके घर के पास ही रहने वाले युवक ने उसका मोबाइल नंबर कुछ अश्लील संदेशों के साथ सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उसका आरोप था कि युवक द्वारा जानबूझकर उसे बदनाम करने की नीयत से ऐसा किया गया है। श्री विज ने मौके पर मौजूद डीएसपी रमेश कुमार को इस मामले में केस दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

वशिष्ठ नगर से आई महिला ने श्री विज को शिकायत देते हुए बताया कि घर की पुश्तैनी जमीन बेचने को लेकर उनका सौदा हुआ था, मगर उसे अभी तक उसके हिस्से के 16 लाख रुपए नहीं मिले हैं। श्री विज ने मामले में डीएसपी, अंबाला कैंट को जांच के निर्देश दिए। इसी तरह, अंबाला छावनी सदर क्षेत्र निवासी व्यक्ति ने अपने बेटे को विदेश भेजने के नाम पर ठगी की शिकायत दी। उसका कहना था कि उसके बेटे को कुरुक्षेत्र निवासी एजेंट ने विदेश भेजने के लिए सौदा किया और इसके लिए उन्होंने 5.10 लाख रुपए की राशि एजेंट को दी। मगर एजेंट ने न तो उसे विदेश भेजा और न ही राशि वापस लौटाई। इस मामले

में श्री विज ने पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए। श्री विज ने अंबाला के हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। इस क्षेत्र के लोगों ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज को शिकायत दी कि क्षेत्र में शरारती किस्म के लोग अक्सर घूमते हैं तथा बीते कुछ समय में यहां चोरियां भी हुई हैं। लोगों की शिकायत पर मंत्री अनिल विज ने डीएसपी कैंट को कार्रवाई के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री अनिल विज को आज पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन सदस्यों ने अपना मांग पत्र सौंपा। इस दौरान यूनियन सदस्यों ने कई सूत्रीय मांग ज्ञापन के माध्यम से उठाई। इसके अलावा, श्री विज के समक्ष अन्य कई शिकायतें आई जिन पर उन्होंने संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए।

इस अवसर पर नगर परिषद के उपाध्यक्ष ललता प्रसाद, डीएसपी रमेश कुमार के अलावा अलग-अलग विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कृषि विभाग की टीम ने कीटनाशक एवं उर्वरक विक्रेताओं की दुकानों का किया निरीक्षण

5 उर्वरकों और 15 कीटनाशकों के नमूने किए एकत्रित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। कृषि निदेशालय से मार्केटिंग अधिकारी राकेश पोरिया कैथल पहुंचकर गठित दल के साथ जिले में विभिन्न कीटनाशक एवं उर्वरक विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर गुणवत्ता नियंत्रण के लिए 5 उर्वरकों और 15 कीटनाशकों के नमूने एकत्रित किए।

मार्केटिंग अधिकारी राकेश पोरिया ने कहा कि यह निरीक्षण कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया, ताकि किसानों को उत्तम गुणवत्ता की कृषि सामग्री उपलब्ध हो सके। अमानक एवं नकली कृषि उत्पादों की बिक्री करने वालों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाती है। किसानों से भी

अनुरोध है कि वे उर्वरक एवं कीटनाशक खरीदते समय बिल अवश्य लें एवं केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही उत्पाद खरीदें। यह निरीक्षण आगे भी जारी रहेगा। इस दल में उप निदेशक कृषि डॉ. बाबू लाल, उपमंडलीय कृषि अधिकारी सतीश नारा एवं गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक श्री भूपिंदर सिंह उपस्थित रहे।

अधिकारी शिशु गृहों व पर्यवेक्षण गृहों का करें नियमित दौरा: श्रुति चौधरी

मंत्री ने किए बाल संरक्षण व एमआईएस प्रणाली पोर्टल लांच

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिशुगृहों व पर्यवेक्षण गृहों तथा निरीक्षण गृहों का नियमित दौरा करें और उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की समीक्षा कर उन्हें रिपोर्ट सौंपे। इस मामले में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंत्री यहां महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की बुलाई गई समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। श्रीमती चौधरी ने इस अवसर पर लाभार्थियों के विकास एवं संरक्षण के लिए दो प्रमुख पोर्टल भी लॉन्च किए, जिनमें बाल संरक्षण पोर्टल, प्ले स्कूल व क्रैंच के लिए एमआईएस प्रणाली पोर्टल शामिल हैं।

बैठक में मंत्री को अवगत कराया कि बाल संरक्षण पोर्टल मिशन वात्सल्य के तहत बाल सुधार गृहों में रह रहे बच्चों

की निगरानी में मददगार होगा। इसमें पुलिस द्वारा एफआईआर पंजीकरण व जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड द्वारा की गई कार्रवाई से लेकर प्रत्येक बच्चे के लिए पुनर्वास योजना तक मामले की निगरानी रखी जा सकेगी। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शीघ्र प्रदेश में बाल सुधार गृहों में रह रहे बच्चों की रिपोर्ट उन्हें उपलब्ध कराएं।

बैठक में जानकारी दी गई कि दूसरा पोर्टल प्ले स्कूल व क्रैच के लिए एमआईएस प्रणाली पर आधारित है। महिला एवं बाल विकास विभाग के पास प्रदेश में 4000 प्ले स्कूल हैं, जिनमें 50 हजार से अधिक बच्चे नामांकित हैं। इसके अलावा 450 से अधिक शिशु गृहों में 7500 से अधिक बच्चे हैं। एमआईएस पोर्टल के माध्यम से एंड टू एंड प्रबंधन के साथ-साथ सभी सेवाओं की जानकारी मिलेगी, जिसमें शिक्षण प्रबंधन, हाजिरी प्रबंधन, विकास निगरानी व भोजन ट्रैकिंग भी शामिल है। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम 21 जून को: उत्तम सिंह

20 जून शुक्रवार को होगी पायलट रिहर्सल

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि आगामी 21 जून को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 21 जून को अनाज मंडी में होगा। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष एवं घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण शिरकत करेंगे तथा 20 जून शुक्रवार को पायलट रिहर्सल आयोजित की जाएगी।

उपायुक्त ने बताया कि 21 जून को मुख्य कार्यक्रम सुबह 6 से 8 बजे तक आयोजित किया जाएगा, इसमें स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों के अलावा योग संस्थाओं से जुड़े सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी व जनप्रतिनिधि भी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि 20 जून को पायलट रिहर्सल अनाज मंडी में सुबह 6 से 8 तक आयोजित होगी। जिला स्तरीय कार्यक्रम के अलावा उप-मंडल व ब्लॉक स्तर पर भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, नीलोखेड़ी के कार्यक्रम में नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी, इंद्री के कार्यक्रम में इंद्री के विधायक एवं चीफ व्हीप रामकुमार कश्यप, घरौंडा के कार्यक्रम में करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के कार्यक्रम में असंध के विधायक योगेंद्र सिंह राणा, निसिंग के कार्यक्रम में जिला परिषद की चेयरमैन प्रवेश कुमारी, चिड़ाव के कार्यक्रम में हरियाणा गऊ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग, मूनक के कार्यक्रम में हरियाणा एसी कमीशन के चैयरमेन रविंद्र सिंह बलियाला, कुं जपुरा के कार्यक्रम में करनाल नगरनिगम मेयर रेनू बाला गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेगी।

उपायुक्त ने बताया कि जिला स्तरीय योग कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है तथा संबंधित अधिकारियों की ड्यूटियां लगा दी गई है। कार्यक्रम स्थल पर कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है।

अवैध कॉलोनियों पर चला डी.टी.पी का पीला पंजा, दो अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिला नगर योजनाकार सतीश कुमार ने बताया कि करनाल में 2 अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि एक अवैध कॉलोनी गांव पुन्डरक में स्थित है, जो कि लगभग 5 एकड़ में फैली है। इस कॉलोनी की सभी कच्ची सडको एवं 8 डी.पी.सी. के विरुद्ध तोडफोड की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार दूसरी कॉलोनी पाल नगर के पास मेहता फार्म के सामने स्थित है, जो लगभग 1.5 एकड़ में फैली हुई है। जिसमें सभी कच्ची सडको, सीवर नैटवर्क एवं 2 निर्माणधीन मकान के विरूद्ध तोडफोड की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान जिला नगर योजनाकार व कार्यालय की टीम, ड्यूटी मजिस्ट्रेट व थाना सदर की पुलिस फोर्स उपस्थित रहे। जिला नगर योजनाकार ने लोगो से अपील की कि कोई व्यक्ति अवैध कॉलोनी में कोई निर्माण नहीं करें अन्यथा कार्यालय द्वारा तोडफोड की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों व अवैध निमार्णों के विरुद्ध किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी व तोड़फोड़ की कार्रवाई जारी रहेगी तथा दोषियों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज करवाये जायेंगे।

उपायुक्त ने ली जिला स्तरीय मलेरिया कार्य समिति की बैठक, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि मलेरिया व वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम करना हम सबकी जिम्मेदारी है। सभी संबंधित विभाग जिला को मलेरिया मुक्त करने के लिए आपसी सहयोग व समन्वय स्थापित कर स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें।

उपायुक्त उत्तम सिंह वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिला स्तरीय मलेरिया कार्यसमिति की बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहें थे। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को वेक्टर जनित बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू, जेई व चिकनगुनिया जैसी खतरनाक बीमारियों की रोकथाम हेतु सहयोग व समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त ने शहरी निकाय विभाग व पंचायत विभाग के अधिकारियों को कहा कि गांवों व शहर में डेंगू केसो के घरों के आस-पास फॉगिंग करवाना सुनिश्चित करें। वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए की जाने वाली आई.ई.सी. गतिविधियों में स्वास्थ्य विभाग

का सहयोग करे व शहर में कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों पर आई.ई.सी. के लिए ऑडियो चलवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी बीडीपीओ को कहा कि वे उनके अधीन आने वाले सभी गांवो की ग्राम सफाई कमेटी से गांव में साफ-सफाई का कार्य नियमित रूप से करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में सिविल सर्जन डा0 पूनम चौधरी ने बताया कि जिला में 2 सब डिविजनल अस्पताल, 8 सीएचसी, 25 पी0एच0सी0, व 150 सब सेंटर हैं जो जिले में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में मलेरिया के आंकड़े काफी कम हुए है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जाने वाली एंटी लारवा एक्टिविटी तथा मलेरिया पॉजिटिव केसिज को दी जाने वाली आर0टी0 के द्वारा मलेरिया पर काबू पाया जा सकता है लेकिन डेंगू पर काबू पाने का एकमात्र साधन साफ-सफाई है क्योंकि डेंगू का मच्छर साफ पानी मे ही पनपता है। साफ-सफाई का कार्य आप सभी के सहयोग से ही संमय है। उन्होंने बताया कि मलेरिया/डेंगू की रोकथाम के लिए विभिन्न प्रकार की आईईसी एक्टिविटीज की जा रही हैं, जिसके अर्न्तगत शहर में विभिन्न स्थानों पर मलेरिया/डेंगू के प्रति जागरूकता के फ्लक्स तथा बैनर लगवाये गए है।

इस मौके पर उप सिविल सर्जन डा. अनु शर्मा ने बैठक में शिक्षा विभाग से अपील की कि स्कूल की छतों पर कोई ऐसा अनुपयोगी सामान न रखें जिसमें पानी इकट्ठा हो क्योंकि यह मच्छरों के पनपने का साधन बन सकता है। प्रत्येक स्कूल रविवार को ड्राई डे मनाएं तथा स्कूल की टैकि यों व कूलरों को अच्छी तरह से साफ करें व स्कूलों में प्रातः की सभा में बच्चों को वेक्टर बोर्न बीमारियों के बारे में बताये। इसके साथ-2 उप सिविल सर्जन (मले0) ने सभी विभागों से अपील की अपने-2 कार्यालयों में वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए नोडल ऑफिसर नियुक्त करें व उनके नाम व पद, मोबाइल नंबर सहित सिविल सर्जन कार्यालय करनाल में भेजें।

पुलिस ने 'नशा मुक्त भारत' मुहिम के तहत घर-घर चलाया जागरूकता अभियान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ छेड़ी गई व्यापक मुहिम के अंतर्गत नशा जागरूकता टीमों द्वारा गांवों, कस्बों और शहरी कॉलोनियों में घर-घर जाकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराकर उन्हें इससे दूर रखना है। एसपी आस्था मोदी के आदेशानुसार डीएसपी कुलदीप बेनीवाल के नेतृत्व में एसआई कर्मबीर, एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही किस्मत, एसपीओ राजपाल तथा एसपीओ प्रदीप कुमार शामिल किया गया है।

उक्त पुलिस टीमों ने अब तक दर्जनों मोहल्लों, बस्तियों और पंचायतों में पहुँच कर आमजन से संवाद किया और नशे के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। वीरवार को उक्त टीम द्वारा थाना सीवन के गांव सैर, पहाड़पुर, उमेदपुर, रसुलपुर व कवारतन में जनसंपर्क अभियान चलाया गया।

अभियान की मुख्य गतिविधियाँ: घर-घर दस्तकः टीमें प्रतिदिन लोगों के घरों पर जाकर व्यक्तिगत बातचीत कर रही हैं। इस दौरान वे नशा करने से होने वाले मानसिक, शारीरिक, आर्थिक और सामाजिक नुकसानों की जानकारी दे रही हैं।

नशा करने वालों की पहचान: डोर टू डोर जाकर पुलिस टीम नशा करने वालों की पहचान करके उनको इलाज के लिए प्रेरित भी कर रही है।

बच्चों और युवाओं को जागरूक करना: विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर बच्चों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जा रही है तथा उन्हें बताया जा रहा नशा कैसे उनके भविष्य को बर्बाद कर सकता है।

महिलाओं की भूमिका: टीमों ने घर की महिलाओं से अपील की कि वे घर के पुरुष सदस्यों और बच्चों पर नजर रखें, और यदि कोई नशे की ओर बढ़ रहा है तो उसकी समय रहते काउंसलिंग करवाएं।

सहयोग और सूचना: नागरिकों से यह भी अपील की गई कि वे नशा बेचने या फैलाने वाले लोगों की जानकारी पुलिस को गोपनीय रूप से दें।

पुलिस अधीक्षक का संदेश: पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने कहा कि नशा हमारी युवा पीढ़ी को खोखला कर रहा है। हमें इसे केवल कानून के बल पर नहीं, बल्कि जन सहयोग और जागरूकता से ही खत्म करना होगा।

हर नागरिक को इस मुहिम का हिस्सा बनकर समाज को नशा मुक्त बनाने में योगदान देना चाहिए। कैथल पुलिस लगातार नशा तस्करों पर शिकंजा कस रही है। किसी भी नशा तस्कर की सूचना बेझिझक पुलिस को दें।

जिला स्तर व सभी छह खंडों में आयोजित होगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह

कैथल में मंत्री कृष्ण लाल पंवार व पूंडरी में विधायक सतपाल जांबा करेंगे शिरकत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जिला कैथल के 6 खंडों में कलायत, राजौंद, गुहला, सीवन, पूंडरी, ढांड एवं जिला स्तर पर 20 जून 2025 को पायलट रिहर्सल व 21 जून 2025 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाएगा।

जिला स्तरीय समारोह में विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार शिरकत करेंगे, वहीं पूंडरी में विधायक सतपाल जांबा, कलायत में सोशल वेलफेयर बोर्ड की चेयरपर्सन सुमित्रा चौहान, गुहला एवं राजौंद में उपमंडल अधिकारी, सीवन में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, ढांड में तहसीलदार बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

डीसी ने बताया कि योग दिवस समारोह में सभी प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, निर्वाचित सदस्य, पुलिस

उपायुक्त कैथल प्रीति।

विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, एनसीसी कैडेट, स्काउट, नेहरू युवा केन्द्र के वॉलिंटियर्स, सरपंच, पंच एवं इच्छुक जन साधारण भाग लेंगे। डीसी ने कहा कि योग को अपने जीवन का एक अभिन्न अंग बनाएं और इसके लाभों का अनुभव करें। योग का अर्थ है जुड़ना या एकजुट होना। यह हमारे शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने का एक माध्यम है। योग के विभिन्न आसन और प्राणायाम हमें शारीरिक रूप से मजबूत और लचीला बनाते हैं, जबकि ध्यान और श्वास अभ्यास हमें शांत और एकाग्र चित्त रहने में मदद करते हैं।

डीसी प्रीति ने बताया कि कलायत खंड में नई अनाज मंडी में पायलट रिहर्सल व योग दिवस समारोह आयोजित होगा।

इसी प्रकार सीवन खंड में राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेंडरी स्कूल में, ढांड में राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल, पूंडरी, राजौंद, गुहला में योग स्थल अनाज मंडी रहेंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम अतिरिक्त अनाज मंडी जींद रोड कैथल में किया जाएगा। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे इस योग दिवस समारोह में बढ़चढ़ कर भाग लें।

नायब सैनी ने विजय रूपाणी के निधन पर दु:ख जताया

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा/चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को गुजरात के गांधीनगर पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी के आकस्मिक निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया और परिवारजनों का ढांढस बंधाया। अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री विजय रूपाणी जी का एक लंबा राजनीतिक सफर रहा है। उनका जीवन सादगी भरा रहा और वे सदैव जनसेवा के लिए समर्पित रहे। हम लगातार संपर्क में थे, हमेशा एक-दूसरे से मिलते थे। उनके निधन से सिर्फ परिवार को ही नहीं, बल्कि गुजरात की जनता और पूरे देश में लोगों को गहरा सदमा पहुंचा है। मेरी भगवान से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और अपने श्रीचरणों में स्थान दें। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हाल ही में अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।

आयुष विभाग द्वारा 146 गांवों में निकाली गई योग जागरण यात्रा: डॉ. सतपाल

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सतपाल ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय योग कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एवं नगराधीश मोनिका के दिशा निर्देशन में जिला में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफलतापूर्वक मनाने व हरित योग अभियान तथा योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

योग विशेषज्ञ डॉ अमित पुंज ने बताया कि वीरवार को आयुष विभाग के आदेश अनुसार आयुष योग सहायकों ने अपनी

अपनी व्यायामशाला एवं निकटवर्ती पांच स्थानों सहित कुल 146 गांवों में योग जागरण यात्रा निकाली, जिसमें लगभग 3650 प्रतिभागी शामिल हुए। आयुष विभाग द्वारा जिला के सभी ब्लॉकों में घरौंडा, मुनक, निसिंग, असंध, नीलोखेड़ी, इंद्री, कुंजपुरा तथा करनाल में आयुष योग सहायकों द्वारा विभिन्न गाँवों में योग जागरण यात्रा निकाली गई। उन्होंने बताया कि इन योग जागरण यात्रा में ग्रामीणों ने तथा सरपंच एवं मेंबरों ने बढ़ चढकर भाग लिया। उन्होंने बताया कि यह यात्रा गांव के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी तथा यात्रा में योग करो, निरोग रहो हर घर योग, घर-घर योग, एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग, योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा, अबकी बार हरित योग के नारे लगाए गए तथा आयुष योग सहायकों ने सभी ग्रामीणों को 21 जून के मुख्य कार्यक्रम में बढ़ चढकर भाग लेने तथा योग को नियमित रूप से करने की प्रेरणा दी।

आयुष विभाग करनाल के ब्लॉक इंचार्ज डॉ नितिन रोहिला ने बताया कि आगामी 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफलतापूर्वक मनाने के लिए आयुष विभाग करनाल द्वारा सभी ब्लॉकों में 20 जून को पायलट रिहर्सल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें करनाल की पायलट रिहर्सल अनाज मंडी करनाल में आयोजित की जाएगी।